

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 11 सितंबर 2026

॥ A Golden Beginning with the Blessings of Ganpati Bappa ॥



OPENING TODAY



सबसे कम कीमत पर आभूषण



Handmade
Jewellery

2.99%

Making Charges



Machine Made
Jewellery

1.99%

Making Charges



Antique
Jewellery

3.99%

Making Charges



BIS CERTIFIED JEWELLERS

BIS

100% HUID



ANAND
Jewels

पंडरी, रायपुर



No Credit
Card Charges

खबर संक्षेप

विश्वकर्मा जयंती पर नर्ग में भवितमय सांस्कृतिक संध्या पटपर झांकी का होगा आयोजन

नर्ग। ग्राम नर्ग में विश्वकर्मा जयंती पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। आयोजक समिति ने बताया कि आगामी 17 सितंबर 2026 गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना के साथ-साथ रात्रि में भव्य सांस्कृतिक झांकी कार्यक्रम के तहत प्रातः 10:30 बजे दिनेश साहू प्रतिष्ठाान सायकल स्टोर परिसर में विधि-विधान से सृष्टि के रचयिता भगवान विश्वकर्मा प्रतिमा की विधिवत पूजन-अर्चन होगा। तत्पश्चात रात्रि 10 बजे से डोंगराढ़ के प्रसिद्ध कला समूह दई के दुरगरवा नवरत जस झांकी’ ग्राम पटपर झांकी का भव्य एवं अद्भुत मंचन किया जाएगा। विश्वकर्मा उत्सव समिति नर्ग एवं समस्त ग्रामवासियों ने अंचल के श्रद्धालुओं तथा आमजनों को परिवार सहित इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का अनुरोध किया है।

लिव-इन रिलेशनशिप भावी पीढ़ी के लिए हानिकारक : डॉ. हरदेल कोरां(भयगार)। देश के कानून में 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवक-युवती को अपनी इच्छा से साथ रहने की कानूनी मान्यता है, लेकिन व्यावहारिक जीवन और सामाजिक दृष्टिकोण से लिव-इन रिलेशनशिप भावी युवा पीढ़ी के लिए कितना उचित है, इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यह बात भयगार के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मोहन हरदेल ने कही। डॉ. हरदेल ने कहा कि 18 वर्ष की उम्र युवाओं के लिए शिक्षा पूरी कर अपने कैरियर की दिशा तय करने और जीवन में आगे बढ़ने की उम्र है। कम उम्र में भावनात्मक संबंधों में उलझने से कई बार उनके सामने सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि वे कानून का सम्मान करते हैं और कानून के विरोध में बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

लिव-इन रिलेशनशिप भावी पीढ़ी के लिए हानिकारक : डॉ. हरदेल कोरां(भयगार)

देश के कानून में 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवक-युवती को अपनी इच्छा से साथ रहने की कानूनी मान्यता है, लेकिन व्यावहारिक जीवन और सामाजिक दृष्टिकोण से लिव-इन रिलेशनशिप भावी युवा पीढ़ी के लिए कितना उचित है, इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यह बात भयगार के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मोहन हरदेल ने कही। डॉ. हरदेल ने कहा कि 18 वर्ष की उम्र युवाओं के लिए शिक्षा पूरी कर अपने कैरियर की दिशा तय करने और जीवन में आगे बढ़ने की उम्र है। कम उम्र में भावनात्मक संबंधों में उलझने से कई बार उनके सामने सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि वे कानून का सम्मान करते हैं और कानून के विरोध में बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

शिक्षकों ने अपने हाथों से बच्चों को कराया नेवता भोज

महासमुंद। शिक्षक दिवस पर शासकीय कन्या उच्च प्राथमिक शाला खड्डी में शिक्षकों ने अपने हाथों से स्वादिष्ट भोजन तैयार कर स्कूली बच्चों को नेवता भोज कराया। संस्था के दोनों प्रधान पाठक भागवत जगत भूमिल एवं लीना पांडेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में शिक्षकों ने स्वयं भोजन परोसा और बच्चों को प्रेमपूर्वक खिलाया। प्रधान पाठक भागवत जगत भूमिल ने कहा कि जब गुरु स्वयं अपने हाथों से भोजन तैयार कर अपने शिष्यों को खिलाता है, तो निश्चित रूप से वह पल बेहद खास और भावुक कर देने वाला होता है। वहीं प्राथमिक विभाग की प्रधान पाठिका लीना पांडेय ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप नेवता भोज में शिक्षक सामूहिक रूप से शामिल होकर इसका आयोजन कर रहे हैं, यह अत्यंत खुशी की बात है। नेवता भोज के साथ शाला में बच्चों द्वारा

मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों की रंगारंग प्रस्तुति दी। शिक्षक और शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। नेवता भोज के लिए मध्यान्ह भोजन में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट पकवान तैयार किए गए। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष चुनवी बाई निपाद, उपाध्यक्ष माधुरी गुप्ता, वरिष्ठ सदस्य रामभरोसा साहू, पूर्व अध्यक्ष आस्था साहू एवं पूर्व अध्यक्ष प्रेमलाल साहू सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन में शाला के वरिष्ठ शिक्षक अभिषेक सालोमन, भूपेंद्र चंद्राकर, उमाशंकर चंद्राकर, सिराज बक्श, त्रिवेणी चंद्राकर, अंजुम शैख, सुनीता ध्रुव, संगीता धुरंधर, सुचिता लकरा, देवकुमारी ध्रुव सहित समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा। भोजन निर्माण एवं पूरी व्यवस्था का सफल संचालन शिक्षक उमाशंकर चंद्राकर ने किया।

हाईस्कूल बड़गांव में मनाया गया शिक्षक दिवस

हरिभूमि न्यूज ►► महासमुंद

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस शिक्षक दिवस पर प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं हाई स्कूल बड़गांव के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय हाईस्कूल बड़गांव में आयोजित हुआ।

शिक्षक दिवस की शुरुआत मां सरस्वती एवं भारत रत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पण कर किया गया। तत्पश्चात सरस्वती वंदना, राष्ट्रीय गीत, राजकीय गीत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बड़गांव के सरपंच, उपसरपंच एवं तीनों विद्यालयों के शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों का क्रमशः गुलदस्ता भेंटकर एवं गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। शिक्षक



दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा गीत कविता एवं भाषण प्रस्तुत किए गए। विज्ञान नवाचार आधारित प्रदर्शनी अतर्गत निराश्रित गौवंश विषय पर कक्षा नवमी की छात्राओं खुशी निपाद एवं सुनीता चक्रधारी द्वारा सुनील साहू व्याख्याता के मार्गदर्शन में प्रस्तुतिकरण हुआ। शिक्षक दिवस पर शासकीय हाईस्कूल बड़गांव के संस्था प्रमुख एसके गायकवाड़ का श्रीफल एवं



पहुंचे विधायक सिन्हा का स्कूल स्टाफ ने स्वागत, अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि यह योजना छात्राओं की शिक्षा के लिए समर्पित है, जिन छात्राओं को अपने घर से स्कूल आने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, अब नहीं होता है। हमारी बेटियों की पढ़ाई में किसी प्रकार की कोई रुकावट न आए इसके लिए हमारी सरकार

हमेशा प्रतिबद्ध है। इस योजना के माध्यम से हमारी बेटियों के शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में मदद मिल रही है। पहले स्कूल की दूरी के कारण कई छात्राओं की पढ़ाई पूरी नहीं हो पाती थी। इस समस्या के निराकरण के लिए यह योजना शुरू की गई है। बेटियों का भी हमारे समाज में बराबर का अधिकार है, हम बेटियों को अच्छी शिक्षा देंगे तो वे हमारा नाम हर क्षेत्र में रौशन करेंगी।

महतारी वंदन योजना से बेटियों का भविष्य संवार रही फातिमा और कचरू

महासमुंद। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ परिवार की जरूरतों को पूरा करने और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बचत करने का अवसर भी दे रही है। योजना से मिलने वाली राशि का महिलाएं अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार सदुपयोग कर रही हैं। महासमुंद शहर की कमिज फातिमा और कचरू देवार योजना की राशि से अपनी बेटियों के नाम सुकन्या समृद्धि खाते खुलवा कर हर माह बचत कर रही हैं। शहर के राम रहीम नगर निवासी कमिज फातिमा को योजना का लाभ किरंतर ह्द माह मिल रहा है। वे योजना से प्राप्त एक हजार रुपए की राशि में से 500 रुपए अपनी बिटिया के नाम से सुकन्या समृद्धि खाते में जमा कर रही हैं, जबकि शेष 500 रुपए बिटिया के पोषण एवं आवश्यकताओं पर खर्च करती हैं। इसी तरह देवार डेरा निवासी कचरू देवार ने भी महतारी वंदन योजना की राशि का सदुपयोग करते हुए अपनी बिटिया के नाम से सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया है।

पालिका द्वारा इस संबंध में टैक्स वृद्धि का आदेश, अधिसूचना, लागू होने की तिथि तथा पिछली अवधि की अंतर राशि वसूलने का वैधानिक आधार सार्वजनिक किया जाए। जब तक इस पूरी प्रक्रिया की वैधानिकता एवं पारदर्शिता स्पष्ट नहीं होती, तब तक अंतर राशि को वसूली पर रोक लगाई जाए।

भाजपा सरकार ने आम जनता को महंगाई के शिकंजे में जकड़ा: गुरमीत

महासमुंद। वर्ष 2014 में देश में हुए बड़े राजनीतिक परिवर्तन के समय आम जनता ने उम्मीद जताई थी कि यह सरकार जनता चिंता करेगी और उनके जीवन को सरल बनाएगी। लेकिन आज जनता को यह भली-भांति एहसास हो चुका है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने उन्हें महंगाई के शिकंजे में जकड़ लिया है और उनका जीवन दूधर कर दिया है। भाजपा सरकार का एकमात्र उद्देश्य केवल आम जनता की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक भार डालना रह गया है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी बेहद महंगी और कठिन

हो गई है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष गुरमीत चावला ने एक जारी बयान में कहा कि महासमुंद में लगे 360-डिग्री कैमरों के माध्यम से जो वसूली अभियान शुरू किया गया है, वह भाजपा शासन के जनविरोधी रवैये का ताजा उदाहरण है। विगत 6 महीनों के भीतर लाखों रुपये का चालान महासमुंद वासियों पर थोप दिया गया है। जब इस विषय में पूछा जाता है, तो पुलिस विभाग का तर्क होता है कि यह कदम लोगों को हेलमेट पहनने के प्रति जागरूक करने के लिए उठाया गया है। गुरमीत

चावला ने सवाल उठाया कि जब 6 महीने बीत जाने और जनता से लाखों रुपये वसूलने के बाद भी धरातल पर हेलमेट को लेकर कोई जागरूकता नजर नहीं आ रही है, तो फिर इस कार्रवाई से वसूले जा रहे लाखों रुपये का उपयोग आखिर कहां हो रहा है? शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने खस्ताहाल सड़कों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज शहर और आसपास की सड़कों की हालत



बदतर हो चुकी है। सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिनके कारण सफर करने वाले आम लोगों को रोजाना का सफर तय किया। हम सबको मिलकर राष्ट्र निर्माण में आगे आना चाहिए। सहायक प्राध्यापक सुलमा द्विवेदी, संतोष साहू, टेकराम सेन, किरण कन्नौजे, सुमन दीवान, तिलोत्तमा दीवान, ईश्वर चंद्राकर,

चालान का यह भारी-भरकम बोझ अब आम आदमी के जीवन का स्थायी हिस्सा बन चुका है? उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई, खस्ताहाल सड़कों की दुर्दशा और इस प्रकार की दमनकारी वसूली से जनता के भीतर भारी आक्रोश पनप रहा है, जो आने वाले समय में सड़क पर जरूर फूटेगा। समय रहते यदि प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं देता है, तो कांग्रेस पार्टी आम जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतरने से पीछे नहीं हटेगी।

महासमुंद जिला हरिभूमि 02

हिंदी मास पर आस्था की काव्य गोष्ठी का आयोजन



महासमुंद। आस्था साहित्य समिति द्वारा हिंदी मास पर कविता की फूहारों से अभिनंद साहित्यकार एस चंद्रसेन के निवास पर त्रिमुर्ति कॉलोनी में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद एवं साहित्यप्रेमी केआर चंद्राकर उपस्थित रहे। हिंदी मास पर हिंदी की व्यथा व्यक्त करते हुये साहित्यकार आनंद तिवारी पौराणिक ने कहा कि अपने ही घर दासी हिंदी और अंग्रेजी रानी है। राष्ट्र भाषा करे चाकरी हाथ, बड़ी हैरानी है। साहित्यकार उत्तारा विदानी ने भी कविता पाठ किया। कवियित्री सरिता तिवारी पंक्तियां समर्पित करते हुए कहा कि वर्ग-वर्ग में बंट रही जाति धर्म के नाम पर कट रही जो ना करे हिंदी का सम्मान। इस अवसर पर डॉ. साधना कसार ने कहा कि जरूरत नहीं मंच की इसको हिंदी को भाषा का श्रृंगार होना चाहिये। एस चंद्रसेन ने कहा कि कई भाषाओं से सुसज्जित है अपना भारत देश पर हिंदी भाषा ही सबका वास्तविक आधार है। साहित्यकार टेकराम सेन चमक अपनी चमक बिखेरते हुये राधाकृष्ण पर आधारित दोहा समर्पित करते हुये हिंदी को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि बिन राधे कान्हा नहीं, बिन राधे सब सून, बिन राधे झण-झण लगे सूखे हुए प्रसून। इस अवसर पर आस्था साहित्य समिति द्वारा हिंदी मास पर आगामी कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की गई, जिसमें 11 सितंबर को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम स्कूल में काव्य गोष्ठी एवं 16 एवं 18 सितंबर को अलग अलग संस्थाओं में कार्यक्रम की योजना बनी।

डाइट में शिक्षक सम्मान समारोह का हुआ आयोजन, छात्राध्यापकों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ►► महासमुंद

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में प्राचार्य अरुण प्रधान, उपप्राचार्य उमादेवी शर्मा के मार्गदर्शन एवं साहित्यिक सांस्कृतिक प्रभारी व्याख्याता टेकराम सेन के संयोजन में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन डीप्लएड छात्राध्यापकों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर छात्राध्यापक सोहद्रा साहू, हेमकल्याणी पटेल एवं तन्नु दीवान द्वारा शिक्षकों के सम्मान में सामूहिक गीत एवं सुरेश कुमार साहू (द्वितीय वर्ष) वीरेंद्र साहू (प्रथम वर्ष) द्वारा एकल गीत की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक प्रभारी टेकराम सेन के निर्देशन में द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक ज्योति जगत, कुसुम दीवान व प्रथम वर्ष



के छात्राध्यापक यामिनी साव, रेणु वर्मा, दीक्षा साहू, संजुलता बरिहा, सरिता सिदार, अर्चना भोई द्वारा सामूहिक नृत्य की प्रस्तुत करते हुए वातावरण को खूबसूरत बनाया गया। छात्राध्यापकों के इस आयोजन से अभिभूत होकर प्राचार्य अरुण कुमार प्रधान एवं उप प्राचार्य उमादेवी शर्मा ने कहा कि

भारत के पूर्व राष्ट्रपति व शिक्षा शास्त्री सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन एक महान शिक्षक से राष्ट्रपति तक का सफर तय किया। हम सबको मिलकर राष्ट्र निर्माण में आगे आना चाहिए। सहायक प्राध्यापक सुलमा द्विवेदी, संतोष साहू, टेकराम सेन, किरण कन्नौजे, सुमन दीवान, तिलोत्तमा दीवान, ईश्वर चंद्राकर,

भाजपा सरकार ने आम जनता को महंगाई के शिकंजे में जकड़ा: गुरमीत

महासमुंद। वर्ष 2014 में देश में हुए बड़े राजनीतिक परिवर्तन के समय आम जनता ने उम्मीद जताई थी कि यह सरकार जनता चिंता करेगी और उनके जीवन को सरल बनाएगी। लेकिन आज जनता को यह भली-भांति एहसास हो चुका है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने उन्हें महंगाई के शिकंजे में जकड़ लिया है और उनका जीवन दूधर कर दिया है। भाजपा सरकार का एकमात्र उद्देश्य केवल आम जनता की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक भार डालना रह गया है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी बेहद महंगी और कठिन

हो गई है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष गुरमीत चावला ने एक जारी बयान में कहा कि महासमुंद में लगे 360-डिग्री कैमरों के माध्यम से जो वसूली अभियान शुरू किया गया है, वह भाजपा शासन के जनविरोधी रवैये का ताजा उदाहरण है। विगत 6 महीनों के भीतर लाखों रुपये का चालान महासमुंद वासियों पर थोप दिया गया है। जब इस विषय में पूछा जाता है, तो पुलिस विभाग का तर्क होता है कि यह कदम लोगों को हेलमेट पहनने के प्रति जागरूक करने के लिए उठाया गया है। गुरमीत

चावला ने सवाल उठाया कि जब 6 महीने बीत जाने और जनता से लाखों रुपये वसूलने के बाद भी धरातल पर हेलमेट को लेकर कोई जागरूकता नजर नहीं आ रही है, तो फिर इस कार्रवाई से वसूले जा रहे लाखों रुपये का उपयोग आखिर कहां हो रहा है? शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने खस्ताहाल सड़कों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज शहर और आसपास की सड़कों की हालत

बदतर हो चुकी है। सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिनके कारण सफर करने वाले आम लोगों को रोजाना का सफर तय किया। हम सबको मिलकर राष्ट्र निर्माण में आगे आना चाहिए। सहायक प्राध्यापक सुलमा द्विवेदी, संतोष साहू, टेकराम सेन, किरण कन्नौजे, सुमन दीवान, तिलोत्तमा दीवान, ईश्वर चंद्राकर,

HEALTH TOWN

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनबीवीएस, एनजी) विश्व एवं बायस् रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनबीवीएस, एन.जी.ओ.) एनी एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620
एकता नगर, अमरकंटक चौर के पास, बुकिवली रायपुर
संघ : मातृ स्मृति नगर बाजार, मादरनी नॉर्टिफेड एरिया, बुकिवली, रायपुर

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

→ मेटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल →

प्रमुख सुविधाएँ

- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
- कानल एवं सीजेरेटिक डिलीवरी
- एवं बच्चेजाने का ऑपरेशन व नखबंदी
- सर्वलुगिवायुतल PICU, NICU, OT

बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसेल, सरकम सीजन की सुविधा

आयुजान काई और CSEB से कैशलेस उपचार

TPA की सुविधा

भास्कर आईकेयर

कालामोतिता नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

डॉ. दिलीप लालवानी
नजर रोग विशेषज्ञ

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा संपूर्ण कालामोतिता जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज

EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

जिरेकटी सल्लंग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाटा, रायपुर (छ.ग.) **07714024989 | 9329124989**

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

1 मूत्र रोग एवं सर्जरी

2 किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज

3 प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज

4 यौन संबंधी समस्याएं

5 महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI

MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुजान काई की सुविधा उपलब्ध

पाइलस

क्षार सूत्र विशेषज्ञ, 15000 से ऊपर सफल चिकित्सा, देश-विदेशों में भी प्रचलित।

समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

8 सरस्वती घाट मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। 9 मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

राज-राजेश्वरी

आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)

9039050422, 9179455561

महासमुंद। शासकीय नवीन महाविद्यालय चिकी में प्राचार्य एचएल दीवान के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के राष्ट्रीय शिक्षा नीति किरान्वयन प्रकोष्ठ के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के किरान्वयन प्रावधानों की जानकारी प्रदान करने के लिए उन्मुखीकरण सह दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत गुलाल लगाकर किया गया। तत्पश्चात समस्त सेमेस्टर से एनआईपी एबेसडरों का मनोनयन किया गया। प्राचार्य एचएल दीवान ने छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय में चुनौतियों का सामना करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को महत्वपूर्ण बदलाव बताया। एनआईपी किरान्वयन प्रकोष्ठ के संयोजक सहायक प्राध्यापक तटपन कुमार ध्रुव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण बदलावों, एनआईपी 2020 के प्रमुख शब्दावलीयों डीएससी, जीई, डीएसई, वैल्यू एडेड कोर्स, क्रेडिट सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रकोष्ठ के सदस्य सहायक प्राध्यापक मनहरण ठाकुर ने क्रेडिट अनुसार विषय के घंटे एवं सेमेस्टर पर पढ़े जाने वाले विषय के बारे में बताया। एनआईपी प्रकोष्ठ सदस्य लता भोई सहायक प्राध्यापक रसायन ने एनआईपी 2020 के तहत सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली, स्नात आंतरिक मूल्यांकन की प्रक्रिया, उत्तीर्णक क्रेडिट के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए विभिन्न विषयों के अध्ययन लक्ष्य के बारे में बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अतिथि व्याख्याता दीक्षा गजेद, नीरज पटेल, डॉ. अमित सिंह, डॉ. अजय, डॉ. सुनीता साकेत एवं समस्त महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप



मिट्टी के नदियां बैल की हुई पूजा अर्चना

महासमुंद। ग्राम खरोरा में पोला पर्व पर किसानों ने मिट्टी नंदिया बैला की पूजा अर्चना की। पोला पर्व एक बहुत पुरानी और महत्वपूर्ण परंपरा है। यह त्योहार मुख्य रूप से कृषि कार्य में सहयोग करने वाले पशुधन और किसानों के प्रति सम्मान व आभार व्यक्त करने के लिए पोला तिहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

पोला पर्व पर बच्चों ने दौड़ा मिट्टी की नंदीश्वर बिरकोनी। छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्व पोला बिरकोनी में गुरुवार को हर्षोल्लास के मनाया गया। घरों में सुबह से ही त्योहार का खुशनुमा माहौल रहा। खेती किसानों काम बंद रखकर किसानों ने कृषि में सहयोग करने वाले मवेशियों की पूजा की। बच्चों के लिए मिट्टी के बने बैल की पूजा अर्चना कर, चावल के बने चीला रोटी का भोग लगाकर बच्चों ने उत्साह पूर्वक गली में बैल दौड़ाए। वहीं बच्चों ने अपने नंदीश्वर को राखी के साथ तिरंगा लगाकर आकर्षक बनाया। दिनभर बच्चे मिट्टी के बने बैलों के साथ आनंद लेते रहे। प्रातः 10 बजे तक परिवार के साथ मिट्टी के नंदिया बैल की पूजा नारियल, फूल सहित अन्य पूजन सामग्री चढ़ाकर की गई। किसानों ने अपने पशुधन का पूजन कर आरती उतारी। चावल के बने पकवान का भोग लगाया। किसानों ने सुबह गांव के कुल देवी देवता की पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।



लोहारडीह स्कूल में 23 छात्राओं को सायकल वितरण

महासमुंद। शासकीय हाईस्कूल लोहारडीह में सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत कक्षा 9वीं में प्रवेशित 23 बालिकाओं को सायकल वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश साहू विधायक प्रतिनिधि रहे। अतिथिगण दीपक साहू, सावित्री रामप्रसाद पटेल सरपंच तथा चेनेशकांत डहरिया उपसरपंच ग्राम पंचायत लोहारडीह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य शिव प्रसाद मरकाट, नैशा सिंह, देवराज सेन व्याख्याता, नीलिमा गुप्ता वरिष्ठ शिक्षक, तरुण कहार, डामन लाल साहू, दुर्गा साहू, प्रभा प्रधान पाठक रोमन चंद्रकार सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर ग्रामवासी एवं पालकगण भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें डॉ. रामप्रसाद पटेल, जीवन साहू, पूरण ध्रुव, हेमिन निषाद, जगमोहन यादव, अशोक साहू, परदेशी मन्नाडे, चमन सोनवानी, मनिहार, समेलात, पूरण साहू एवं मानकी साहू सहित अन्य ग्रामीण एवं पालकगण शामिल रहे। कार्यक्रम में कक्षा पहली से दसवीं तक के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा कक्षा 9वीं में प्रवेशित 23 बालिकाओं को सायकल वितरित की गई।

जिला जेल में विशेष मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ►► महासमुंद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 10 सितंबर 2026 को जिला जेल में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर एक विशेष मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का समन्वय जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सीपी चंद्राकर द्वारा किया गया। इस मानवीय पहल में जिला जेल अधीक्षक अश्वनी पूजा तिकी का विशेष प्रशासनिक सहयोग रहा। इस वर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की

कार्यक्रमों को लेकर गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति एवं गोंडवाना संघ की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ►► बसना

आदिवासी भवन अरेकेल डीपा बसना में बुधवार को गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति एवं छत्तीसगढ़ गोंडवाना संघ द्वारा सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी आयोजनों की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा समाज की संस्कृति, परंपरा एवं धार्मिक विरासत को मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा एवं परिचर्चा की गई।

बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर प्रमुख निर्णय लिए गए। 22 सितंबर 2026 को सोनाखान में करमंडार महोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वहीं 24 नवंबर 2026 को सरायपाली में ईशर गवरा विवाह महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक माह पूर्णिमा के अवसर पर जिला एवं ब्लॉक संगठन की बैठक आयोजित करने पर सहमति बनी। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने में युवा प्रभाग सहित संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की

सक्रिय भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही मातृशक्ति, पितृशक्ति एवं युवाओं से तन-मन-धन से सहयोग करते हुए सामाजिक एकता और सहभागिता को मजबूत बनाने का आह्वान किया गया।

यूसीसी को लेकर जताया विरोध

बैठक में समान नागरिक संहिता कानून (यूसीसी) को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित समाजजनों ने इसे आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं के लिए चिंता का विषय बताते हुए विरोध



जताया। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की अपनी विशिष्ट नैंग-जोंग, रीति-रिवाज, प्रथा, परंपरा, बोली एवं भाषा है, जो समाज की विशिष्ट पहचान है। उनका कहना था कि ऐसे कानूनों के

प्रभाव से आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था एवं सांस्कृतिक पहचान प्रभावित होने की आशंका है। समाजजनों ने कहा कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपरा, रीति-रिवाज एवं धार्मिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। बैठक में सभी की सक्रिय सहभागिता से आगामी कार्यक्रमों को सफल एवं गरिमाय बनाने का संकल्प लिया गया।

बैठक में जुटे समाजजन

बैठक में सुदर्शन सिंह ठाकुर

(संरक्षक), प्रेम सिंह पोते (जिलाध्यक्ष, गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति), भारती को सिदार (सचिव), विश्वनाथ हीरा (उपाध्यक्ष), गोकुल पारेश्वर (संरक्षक), दीपक जगत (जिलाध्यक्ष, छग गोंडवाना संघ), देवी सिंह मांझी (सचिव), श्रवण पोते (बसना ब्लॉक सचिव), शिवलाल बाघ, बलदेव हीरा (ब्लॉक अध्यक्ष सरायपाली), विजय सिंह नेताम, शुभ सिंह जगत, कीर्तन सिदार, भगत सिदार सहित पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

जिले में नेत्रदान के प्रति बढ़ी है जनजागरूकता

हरिभूमि न्यूज ►► महासमुंद

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिले में नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता लगातार बढ़ रही है। लोगों में यह समझ विकसित हो रही है कि मृत्यु के पश्चात नेत्रदान कर दो दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है।

जिले में 25 अगस्त से 08 सितंबर 2026 तक आयोजित नेत्रदान पखवाड़े के दौरान लोगों को नेत्रदान के महत्व की जानकारी दी गई तथा नेत्रदान हेतु संकल्प पत्र भरने के लिए प्रेरित किया गया। इसी क्रम में सरायपाली विकासखंड के ग्राम कोलतापारा, बलीदा निवासी सैरेंदी स्वाइ/कविराज ने 03 सितंबर को नेत्रदान का घोषणा पत्र भरकर नेत्रदान का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुदाम भोंई एवं उनके पुत्र संगमलाल स्वाइ उपस्थित रहे। वहीं 09 सितंबर को बागबाहरा विकासखंड के ग्राम पचेड़ा निवासी रामेश्वर सिंह दीवान/ बदलू सिंह दीवान ने जिला अस्पताल महासमुंद में नेत्रदान हेतु संकल्प पत्र भरा। इस दौरान उनके उत्तराधिकारी मनहरण एवं राधेश्याम तथा मित्र सुखलाल साहू उपस्थित रहे। जिले में हाल ही में दो व्यक्तियों द्वारा मृत्यु उपरांत नेत्रदान भी किया गया। जुलाई 2026 में क्लब पारा महासमुंद

निवासी स्व. छोटालाल कोठारी तथा 18 अगस्त को ग्राम पीढ़ी, लहंगर निवासी स्व. उत्तरा बाई चंद्राकर का नेत्रदान किया गया। नेत्रदान की सूचना उनके परिवार के सदस्यों द्वारा जिला चिकित्सालय के नेत्र रोग विभाग को दी गई। इस कार्य में परिवार की सहमति और तत्परता की विशेष भूमिका रही।

नेत्रदान के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई नगेश्वर राव के निर्देशन में नेत्ररोग विशेषज्ञ एवं नेत्रदान अधिकारी डॉ. अनिल कुमार गोरियार, सहायक नेत्रदान अधिकारी अवधेश कुमार यादव, उमेश कुमार गोतमारे तथा जिले के विभिन्न प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ नेत्र सहायक अधिकारी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा नेत्रदान के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया है कि नेत्रदान मृत्यु के पश्चात किया जाता है। मृत्यु के 06 घंटे के भीतर नेत्र ज्योति का संग्रहण किया जा सकता है। इसके लिए मृत्यु की सूचना तत्काल जिला अस्पताल की नेत्र इकाई अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र को देना आवश्यक है। विभाग ने आमजन से नेत्रदान के लिए आगे आने और इस पुनीत एवं लोककल्याणकारी कार्य में सहभागी बनने की अपील की है।

उत्साह : झमाझम बारिश, आकाशीय आतिशबाजी के साथ भोजली विसर्जन यात्रा निकली

पोला पर्व मना कर भोजली विसर्जन यात्रा निकाली, मित्र बनाने की परंपरा निभाई



हरिभूमि न्यूज ►► पिथौरा

नगर सहित अंचल में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक त्योहार पोला धूमधाम से मनाया गया। साथ ही भोजली विसर्जन यात्रा निकाली गई। आज नगर और आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में पोला पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः से ही खेती किसानों के कार्य से जुड़े कृषक परिवार घरों में मिट्टी से बने बैलों का

विशेष पूजा पाठ करते हुए गुड़ आदि से बने छत्तीसगढ़ी व्यंजन चीला, ठेठरी, खुरमी का भोग लगाया और सुख शांति की कामना करते पूजा आरती कर प्रसाद वितरण किया।

इस दिन बच्चों ने मिट्टी से बने बैल चलाया और जाता पोला, मिट्टी से बने कढ़ाई, चूल्हा, मिट्टी के बर्तनों, खिलौने से खेला। इस पर्व की महत्ता का वर्णन करते

साहित्यकार संतोष गुप्ता ने कहा कि यह पर्व खेती किसानों के कार्य में नंदी बैल का भी जन्म माना जाता। जिसके कारण बैलों की पूजा पोला के दिन विधि विधान से करते है। इसी तरह इस दिन जन्माष्टमी के दिन से बोया गया भोजली को आज के दिन भोजली गीत गाते विसर्जन करते है। भोजली को भोजली दाई (माता) के रूप प्रकृति रूप में पूजते है, इस भोजली में गेहूं, जौ, आदि

ही उन्होंने कहा कि जनश्रुति के अनुसार इस दिन भगवान शंकर के नंदी बैल का भी जन्म माना जाता। जिसके कारण बैलों की पूजा पोला के दिन विधि विधान से करते है। इसी तरह इस दिन जन्माष्टमी के दिन से बोया गया भोजली को आज के दिन भोजली गीत गाते विसर्जन करते है। भोजली को भोजली दाई (माता) के रूप प्रकृति रूप में पूजते है, इस भोजली में गेहूं, जौ, आदि

अन्न को, अन्न माता रूप में सप्ताह भर पूजा पाठ करते हुए भोजली गीत गाते हैं। और आज के दिन विधि विधान से नाचते गाते विसर्जन करते और भोजली से भोजली, मितान बदना जिसे मित्र बनाना भी कहते हैं, इसकी शुभारंभ करते हैं और जीवन भर सुख-दुख में साथ निभाने का संकल्प लेते है। पोला पर्व पर नगर व अंचल में धार्मिक माहौल का वातावरण रहा।

प्रतिभा पब्लिक स्कूल बालसी में मनाया गया शिक्षक दिवस



हरिभूमि न्यूज ►► सरायपाली

प्रतिभा पब्लिक स्कूल बालसी में शिक्षक दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह की शुरुआत सुबह 11 बजे डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रचलन के साथ हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसमें शिक्षक-शिष्य

के संबंध पर आधारित नृत्य एवं मधुर गीत शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य नरहरि पट्टनायक ने अपने प्रेरणादायी भाषण में कहा, शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन को रोशन करता है। एक अच्छा विद्यार्थी वही है जो ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी अपने जीवन में उतारे। पश्चात उप-प्रधानाचार्य नासिर खान ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, यह आपके चरित्र और सोच का निर्माण करती है।

अपने सपनों को पाने के लिए अनुशासन और निरंतर प्रयास जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों के प्रति विद्यार्थियों का यह समर्पण और सम्मान देखकर हर-कोई भावविभोर हो गया। छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और उनके द्वारा दिए गए इस विशेष सम्मान के लिए स्कूल प्रबंधन एवं सभी शिक्षकों ने उनका हृदय से आभार व्यक्त किया।

नेत्र पखवाड़े के तहत कसहीबाहरा स्कूल में चित्रकला निबंध एवं विवज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रचनात्मकता के रंगों से सजी नेत्र जागरूकता की मुहिम

हरिभूमि न्यूज ►► अरंड (पिथौरा)

शासकीय उच्च प्राथमिक शाला कसहीबाहरा में राष्ट्रीय नेत्र पखवाड़ा के अंतर्गत विद्यार्थियों में नेत्र सुरक्षा, नेत्रदान एवं दृष्टि के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विविध रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने चित्रकला, निबंध लेखन एवं नेत्र जागरूकता विवज प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

चित्रकला प्रतियोगिता के लिए “आंख है तो संसार है”, निबंध लेखन के लिए “नेत्रदान महादान” तथा विवज प्रतियोगिता के लिए “नेत्र जागरूकता” विषय निर्धारित किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, लेखन क्षमता एवं ज्ञान का प्रदर्शन करते हुए नेत्रों की उपयोगिता, नेत्रों की सुरक्षा तथा नेत्रदान के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्था



प्रमुख एवं दिव्यांग मित्र मंडल पिथौरा के वित्त एवं योजना प्रभारी हेमंत खुटे ने कहा कि “आंखें हमारे जीवन की अनमोल आधार हैं। आंखों के बिना संसार की सुंदरता को देख पाना संभव नहीं है। बच्चों

और सामान्य ज्ञान को भी विकसित करती हैं। नेत्रदान महादान है, क्योंकि हमारे जाने के बाद भी किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से मोबाइल एवं स्क्रीन का संतुलित उपयोग करने, पर्याप्त रोशनी में पढ़ने तथा आंखों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने का आह्वान किया। प्रतियोगिताओं के पश्चात विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र, ड्राइंग बुक एवं कलर सेट बतौर पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विजयी प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार है – चित्रकला प्रतियोगिता –आंख है तो संसार है प्रथम लिलेश्वरी पटेल, द्वितीय तेजल दीवान, तृतीय साधना ध्रुव। निबंध लेखन प्रतियोगिता नेत्रदान महादान में प्रथम कुलदीप, द्वितीय सौरभ यादव, तृतीय नैना दीवान। नेत्र जागरूकता विवज कम्पिटिशन प्रथम कुलदीप पटेल, द्वितीय योगेश्वरी, तृतीय अनुज रहे।

वैश्विक थीम चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड और इसके मुख्य आह्वान

बंदियों को विशेष मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और उपचार के लिए

3 बंदी कैनबिस (गांजा) की लत से पीड़ित पाए गए। शासकीय



स्टार्ट द कन्वर्सेशन के तहत कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, उनके व्यवहार में बदलाव लाने और मनोरोगों को काउंसलिंग के लिए यह सत्र आयोजित किया गया। कार्यशाला में जेल के कुल 110 बंदियों ने भाग लिया, जिनमें से 15

चिन्हित किया गया। इनमें से 3 बंदी अल्कोहल विड्रॉल डिसऑर्डर (शराब छोड़ने के लक्षण), 2 एंजजायटी (घबराहट/चिंता), 3 साइकोसिस (गंभीर मानसिक विकार), 2 डिप्रेशन (अवसाद), 2 सीजर डिसऑर्डर (मिर्गी/दौरे) और

ईएनटी विभाग से निर्मल कुमार साहू ने बंदियों को इनडोर गेम्स खेलने, क्लिनिकल साइकोसोशल काउंसलिंग, कॉम्प्यूटिड बिहेवियल थेरेपी और विड्रॉल व सीजर के लक्षणों के मेडिकल मैनेजमेंट के महत्व को समझाया।

गंगा सागर तीर्थ यात्रा

गंगा सागर, कामाख्या देवी, बाबा देवनाराय धाम, श्री जगन्नाथ पुरी, कलकत्ता, कालीघाट, दक्षिणेश्वर काली मंदिर, उमानंद ब्रम्हपुत्र नदी, भुवनेश्वर, लिंगराज, कोणार्क, कपिल मुनि मंदिर, सादी गोपाल अग्रतारा, सतगुरुद्विपा, नवग्रह, गुवाहाटी

यात्रा दिनांक 27 अक्टूबर 2026 17 नवंबर 2026 24 नवंबर 2026 8 दिसंबर 2026 22 दिसंबर 2026 29 दिसंबर 2026 12 जनवरी 2027

तमिः स्लीपर ₹18500/- ऑफर ₹17999/- -3AC ₹28500/- ऑफर ₹27999/-

स्वामी तीर्थ यात्रा

संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दूरी पर तीर्थ यात्रा 911111866, 8275757579

Head Office : सिटी सेंटर मॉल, राजेंद्र प्लाज़ा, कांकर, कपिलेश्वर

online Booking-www.tripuryatra.com

स्लीपर मात्र 10,900/-

रायपुर, विलासपुर, रायच, रायचंद से होकर

शेअल ट्रेन 25 सीट शेअ

18 सितंबर से 25 सितंबर 2026 (8 दिन)

गंगा सागर यात्रा

गंगा सागर, श्री जगन्नाथ पुरी, माँ कामाख्या देवी, कोलकाता (दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कालीघाट काली मंदिर, बेल्ूर मठ)

ऑफर राशि : स्लीपर 10,900/- | 3 एसी-18,500/- | 2 सीट 23,500/- (₹-36 GST)

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR- D-36 Sector-4 Kamal Vihar, KOREA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- 7354-411411